www.sgbauonline.com

AU–1979

B.A. (Part-III) Examination

(Literature of Modern Languages)

HINDI LITERATURE

(Optional)

Time : Three Hours] [Maximum Marks : 100

नोट :— सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।

1. संदर्भ-सहित व्याख्या कीजिये : 10

वह कौन रोता है वहाँ—
इतिहास के अध्याय पर,
जिसमें लिखा है, नौजवानों के लहू का मोल है
प्रत्यय किसी बूढ़े, कुटिल नीतिज्ञ के व्याहार का;
जिसका हृदय उतना मलिन जितना कि शीर्ष व लक्ष है;
जो आप तो लड़ता नहीं,
कटवा किशोरों को मगर,
आश्वस्त होकर सोचता,
शोणित बहा, लेकिन, गयी बच लाज सारे देश की ?

अथवा

जानता हूँ किन्तु, जीने के लिये
चाहिए अंगार-जैसी वीरता,
पाप हो सकता नहीं वह युद्ध है,
जो खड़ा होता ज्वलित प्रतिशोध पर।
छीनता हो स्वत्व कोई, और तू-
त्याग-तप से काम ले यह पाप है।
पुण्य है विच्छिन्न कर देना उसे
बढ़ रहा तेरी तरफ जो हाथ हो।

www.sgbauonline.com

www.sgbauonline.com

2. संदर्भ-सहित व्याख्या कीजिये : 10

अनुभूति के द्वन्द्व ही से प्राणी के जीवन का आरंभ होता है। उच्च प्राणी मनुष्य भी केवल एक जोड़ी अनुभूति लेकर इस संसार में आता है। बच्चे के छोटे से हृदय में पहले सुख और दुख की सामान्य अनुभूति भरने के के लिये जगह होती है। पेट का भरा या खाली रहना ही ऐसी अनुभूति के लिये पर्याप्त होता है। जीवन के आरम्भ में इन्हीं दोनों के चिह्न हंसना और रोना देखे जाते हैं, पर ये अनुभूतियां बिल्कुल सामान्य रूप में रहती हैं।

अथवा

भक्ति-रस का पूर्ण परिपाक जैसा तुलसीदास जी में देखा जाता है वैसा अन्यत्र नहीं। भक्ति में प्रेम के अतिरिक्त आलम्बन के महत्व और अपने दैन्य का अनुभव परम आवश्यक अंग है। तुलसी के हृदय से इन दोनों अनुभवो के ऐसे निर्मल शब्द-स्रोत निकले हैं, जिसमें अवगाहन करने से मन की मैल कटती है और अत्यंत पवित्र प्रफुल्लता आती है। गोस्वामीजी के भक्ति-क्षेत्र में शील, शक्ति और सौंदर्य तीनों की प्रतिष्ठा होने के कारण मनुष्य की सम्पूर्ण भावात्मिका प्रकृति के परिष्कार और प्रसार के लिये मैदान पड़ा हुआ है।

3. युधिष्ठिर की चारित्रिक विशेषताओं को शब्दांकित कीजिये। 15

अथवा

'कुरुक्षेत्र' के आधार पर रचनाकार की युद्ध विषयक धारणा को स्पष्ट कीजिये।

4. पठित निबंधों के आधार पर शुक्लजी के निबंध शैली की विशेषताएं बताइये। 15

अथवा

श्रद्धा-भक्ति निबंध में व्यक्त विचारों का विवेचन कीजिये।

5. छायावाद की विशेषताओं का परिचय दीजिये। 10

अथवा

प्रयोगवाद की व्याख्या करते हुए, उसकी विशेषताएं बताइये।

6. (अ) रस की परिभाषा देते हुए उसके अंगों का विवेचन कीजिये। 10

अथवा

हास्य रस और शान्त रस को उदाहरण सहित लिखिये।

www.sgbauonline.com

www.sgbauonline.com

(ब) निम्नलिखित अलंकारों को उदाहरण सहित स्पष्ट कीजिये : 4

(1) मानवीकरण

(2) श्लेष।

अथवा

(3) यमक

(4) रूपक।

(क) निम्नलिखित छंदों के लक्षण देकर सोदाहरण स्पष्ट कीजिये : 4

(1) रोला

(2) दोहा।

अथवा

(3) चौपाई

(4) कुंडलियां।

(ड) निम्नलिखित किसी **एक** शब्दशक्ति को सोदाहरण लिखिये : 2

अभिधा **अथवा** व्यंजना।

7. निम्नलिखित वस्तुनिष्ठ एवं अति लघूत्तरी प्रश्नों के उत्तर दिये गये निर्देशों के अनुसार लिखिये : 20

(अ) 'कुरुक्षेत्र' से :—

(1) 'कुरुक्षेत्र' के किस सर्ग को 'क्षेपक' कहा गया है ?

(2) 'कुरुक्षेत्र' का नायक कौन हैं ? (युधिष्ठिर, दुर्योधन, सुयोधन)

(3) कुरुक्षेत्र के कवि जयशंकर प्रसाद है। (कथन सत्य/असत्य)

(4) पितामह _____ को कहा गया है। (भीष्म, युधिष्ठिर, अर्जुन)

(5) कुरुक्षेत्र में किस युग का वर्णन है ?

(ब) चिंतामणि से :—

(1) लज्जा का हलका रूप _____ है। (संकोच/निडरता/ग्लानि)

(2) तुलसीदास कौनसे नाम से जाने जाते हैं। (संत, कवि, गोस्वामी)

(3) सात्त्विक वृत्तिवालों के लिये _____ होती हैं। (लज्जा, ग्लानि, भय)

(4) तुलसीदास की भाषा कौन थी ? (अवधी, मगधी, ब्रज)

(5) ग्लानी अंत:करण की _____ का एक विधान है। (मुक्ति/शुद्धि/पवित्रता)

www.sgbauonline.com

www.sgbauonline.com

(क) हिन्दी साहित्य के इतिहास से :—

(1) पंत प्रकृति के कवि हैं। (सत्य/असत्य)

(2) निराला जी का पूरा नाम लिखिये।

(3) आधुनिक मीरा किसे कहा जाता है ? (महादेवी/महाश्वेता/मन्नू भंडारी)

(4) तार सप्तक के लेखक का नाम अज्ञेय था। (सत्य/असत्य)

(5) उपन्यास सम्राट किसे कहा जाता है ? (प्रेमचन्द्र/अमृतराय/बच्चन)

(ड) काव्यांग से :—

(1) 'हरिगीतिका' के प्रत्येक चरण में कितनी मात्राएं होती हैं ?

(2) करुण रस का स्थायी भाव बतलाइये।

(3) दोहे के प्रत्येक चरण में कितनी मात्राएं होती हैं ?

(4) चौपाई के प्रत्येक चरण में _____ मात्राएं होती है।

(5) किसी एक शब्द शक्ति का नाम बताओ।

www.sgbauonline.com